केन्द्रीय विद्यालय एफ.आर.आई, देहरादून

प्रतिवेदन

संस्कृत सप्ताह

संस्कृत सप्ताह का शुभारम्भ दिनांक 23.08.2018 को विद्यालय के प्राचार्य श्री विवेकानंद बहुखंडी जी के कर कमलों द्वारा द्वीप प्रज्ज्वलन से किया गया | कार्यक्रम का संचालन डॉ. संगीता रानी द्वारा किया गया | कार्यक्रम में श्रीमती तारा जोशी, श्री राजेश कुकरेती, श्रीमती अमिता डोभाल , श्रीमती सोनिया ओबेरॉय एवम अशोक जोशी आदि शिक्षक उपस्थित थे |

तत्पश्चात भारतीय संस्कृति की परंपरा का निर्वहन करते हुए कक्षा सप्तमी की छात्राओं द्वारा माँ सरस्वती की आराधना करते हुए माँ 'सरस्वती शारदे' एक नृत्य प्रस्तुत किया गया तदुपरांत संस्कृत दिवस के आयोजन एवं उसकी महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कक्षा सप्तमी 'अ' की छात्रा शुभांगी ने अपने विचार प्रस्तुत किए | इसी श्रृंखला में कक्षा षष्ठी 'अ' के छात्र स्वराज्य द्वारा संस्कृत के महत्त्व पर कविता प्रस्तुत की गई | सप्ताह भर प्रार्थना सभा के सम्पूर्ण कार्यक्रम संस्कृत में ही प्रस्तुत किये गए | प्रतिदिन प्रार्थना सभा में प्रस्तुत संस्कृत विषयक ज्ञान वर्धक प्रश्नोतरी में विद्यालय के छात्र-छात्राओं सहित सभी शिक्षक साथियों ने भी बढ़ –चढकर भाग लिया एवम् अपने संस्कृत ज्ञान में वृद्धि की | प्रार्थना सभा में विद्यार्थियों ने सुमधुर ध्वनि से श्लोकों का गायन कर विद्यालय प्रांगण को गुंजायमान कर दिया | प्रार्थना सभा में प्रतिदिन संस्कृत भाषा के महत्व पर भाषण एवम संस्कृत कविता प्रस्तुति देकर छात्र-छात्राओं ने संस्कृत के प्रति अपनी रूचि का प्रदर्शन किया, जिसमे स्वराज्य सिंह रावत (VI A), अद्वैत (VI B),

मुस्कान नेगी (VII B), अंजलि चंद (VII B), विनीता कुमारी (VII B), वंशिका रावत (VII B) की महत्वपूर्ण भूमिका रही |

संस्कृत सप्ताह के अंतर्गत श्लोकोच्चारण, समूहगीत, संस्कृत प्रशनोत्तरी, कथा, नाटक, एवम् निबंध प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, निर्णायकों में श्रीमती तारा जोशी, श्रीमती अमिता डोभाल,श्रीमती सरोजिनी रावत, श्री सुधीर कुमार, श्रीमती सोनिया ओबेरॉय, श्री सुनील कुमार शर्मा एवम डॉ. संगीता रानी की महत्वपूर्ण भूमिका रही | जिसमे विद्यालय के सभी छात्र-छात्राओं ने बढ़ चढ़कर अपनी रूचि का प्रदर्शन किया |

श्लोकोच्चारण प्रतियोगिता में कनिष्ठ वर्ग में श्रुति सप्तमी 'अ' ने प्रथम स्थान, आयुष सिंह बिष्ट ने द्वितीय एवम् विपाशा सप्तमी 'अ' ने तृतीय स्थान तथा वरिष्ठ वर्ग में आयुष चौहान द्वादश 'ब' प्रथम, महक बहुगुणा नवमी 'स' ने द्वितीय एवम कशिश नवमी 'अ' ने तृतीय स्थान प्राप्त किया |

समूह गीत में कनिष्ठ वर्ग में अष्टमी 'स' के छात्र-छात्राओं ने प्रथम एवम् द्वितीय स्थान तथा षष्ठी अ के छात्र-छात्राओं ने तृतीय स्थान प्राप्त किया, वरिष्ठ वर्ग में नवमी 'स' ने प्रथम , नवनी'ब' ने द्वितीय एवम् नवनी 'अ' ने तृतीय स्थान प्राप्त किया |

कथा प्रतियोगिता में आयुष चौहान सप्तमी 'अ' प्रथम, वंश कम्बोज अष्टमी 'स' द्वितीय एवम गरिमा भाटिया, सप्तमी 'ब' ने तृतीय स्थान पर रहे | निबंध प्रतियोगिता में कनिष्ठ वर्ग में प्रथम

स्थान प्राची रावत अष्टमी स , द्वितीय स्थान आयुष अष्टमी स, तृतीय स्थान संयुक्त रूप से सत्यम एवम अंकेश ने प्राप्त किया |

वरिष्ठ वर्ग में परिधि राणा नवम 'अ', द्वितीय अंशिका सुदे नवम 'अ', तृतीय स्थान भावना नवम 'अ' ने प्राप्त किया | नाटक प्रतियोगिता में तीन नाटक प्रस्तुत किए गए सभी नाटकों ने अपने सुन्दर अभिनय द्वारा सभी का मन मोह लिया, द्वितीय स्थान पर रहे सप्तमी के नाटक दुर्बुद्धि विनश्यति के माध्यम से छात्रों ने यह सन्देश दिया कि सोच विचार कर कार्य करना चाहिए अन्यथा प्राणी नष्ट हो जाता है | प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले अष्टमी 'अ' के छात्रों ने दुर्बुद्धिः विनश्यति नाटक के माध्यम से पर्यावरण की रक्षा करने एवम कांटे बोओगे तो कांटे ही प्राप्त होंगे यह सन्देश प्रसारित किया सप्तमी 'ब' के छात्रों ने बाल कवियों के अभिनय में दर्शकों को खूब हँसाया |

समापन समारोह दिनांक 29.08.2018 को विशेष रूप से मनाया गया जिसमे प्राथमिक विभाग की छात्रा विभूति (कक्षा V) ने गीत के मधुर श्लोको से विद्यालय प्रांगन को गुंजायमान कर दिया | तत्पश्चात नवमी 'अ' के छात्रों ने द्वारा विभिन्न कार्यलाओं में प्रयोग होने वाले संस्कृत के ध्येय वाक्यों को प्रस्तुत कर रोचक जानकारी के द्वारा सभी के ज्ञान में वृद्धि की | उसके पश्चात रोचक एवम् ज्ञानवर्धक संस्कृत प्रश्नोतरी से सभी छात्र-छात्राओं सहित शिक्षकों के संस्कृत ज्ञान में वृद्धि हुई | तत्पश्चात द्राक्षम अम्लारस अभिनय गीत प्रद्युमन तोमर षष्ठी 'ब'

ने प्रस्तुत कर दर्शकों का मनोरंजन किया | अष्टमी 'स' के छात्रों ने 'चल चल पुरतो निधेहि चरणं' गीत की प्रस्तुति के द्वारा सबको निरंतर आगे बढ़ने की प्रेरणा दी | इसके उपरांत पर्यावरण और जैसा बोओगे वैसा काटोगे पर आधारित नाटक कन्टकेनैव कंटकम ने सबका मन मोह लिया |

इसी श्रृंखला में सप्तमी 'अ' के छात्रों ने शिक्षाप्रद नाटक दुर्बुद्धिः विनश्यति प्रस्तुत किया | सप्तमी 'ब' के छात्रों ने हास्य बालकवि सम्मेलनं नाटक के माध्यम से खूब हसाया |

अंत में कक्षा षष्ठी की नन्ही-नन्ही बाल-चटकाओं ने चटका-चटका रे चटका नृत्य गीत से सबको आत्मविभोर कर दिया |

संस्कृत सप्ताह में आयोजित प्रतियोगिताओं में प्रथम, द्वितीय एवम तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्रों को विद्यालय के प्राचार्य श्री विवेका नन्द बहुखंडी जी ने पुरस्कृत कर अपने आशीर्वचनों से उनका मनोबल बढ़ाते हुए भविष्य में भी संस्कृत के प्रचार एवम प्रसार के लिए प्रत्यनशील रहने के लिए प्रेरित किया |